राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 500
सम्राट
सुपर कमांडो ध्रुव
नागराज
इस विशेषांक के साथ
नागराज के टी.वी. सीरीयल रक्षक
नागराज भाग-2 की 100/- मूल्य
की V.C.D. मुफ्त

सम्राट
कथाः जॉली सिन्हा
चित्रः अनुपम सिन्हा
इंकिंगः विनोदकुमार
सुलेख एवं रंगः सुनील पाण्डेय
सम्पादकः मनीष गुप्ता
अब मुझको रोकना मृत्युशील मानवों के बस की बात नहीं है! तुम्हारे जैसे अति शक्तिशाली मनुष्यों के बस की भी नहीं! क्योंकि अब मेरे यानी जादूगर करणवशी के हाथों शक्तियों का खजाना लग गया है! प्राचीन मिस्र की रानी क्लियोपेट्रा का राजमहल!
अब मुझको कोई नहीं रोक सकता, बनने से इस दुनिया का...

मिस्र के रहस्यमय पिरामिडों की भूल-भुलैया में-
हम सही रास्ते पर जा रहे हैं न, करणवशी ?
चिन्ता मत करो! बड़ी मुश्किल से मैंने प्राचीन नक्शा हासिल किया है!
मेरा वादा है कि तुमको भूख मिटाने के लिए ढेरों सांप मिलेंगे।

बल्कि यूं कहो कि तुमको सांपों की पूरी एक बस्ती मिलेगी! और वह भी मामूली सांपों की नहीं, बल्कि इच्छाधारी सांपों की!
इच्छाधारी सांपों की! तब तो... सड़प... मजा आ जाएगा! पर तू मुझ पर इतना एहसान क्यों कर रहा है?
एहसान तो तूने मुझ पर किया है, सर्पखोर! नागराज ने मेरी आंखों में एक ऐसा सूक्ष्म सर्प बैठा दिया था, जो मेरी सम्मोहन शक्ति को निकलने से पहले ही नष्ट करता रहता था!
उसने मुझको महान करणवशी से एक भिखारी बना डाला था! ऐसा भिखारी जो हिन्दुस्तान से भटकता-भटकता मिस्र के रेगिस्तानों तक आ पहुंचा और तुझसे आ टकराया! तेरी सांपों को खाने की बेतहाशा भूख मेरे काम आ गई और तूने उस सूक्ष्म सर्प को खाकर मुझे फिर से करण-वशी बना डाला!
आज मैं तुझको तेरे इसी एहसान के बदले में उन इच्छाधारी सांपों की बस्ती का रास्ता दिखा रहा हूं जो पिरामिडों के नीचे रहते हैं, और अपने आपको इन पिरामिडों का रक्षक मानते हैं!
भिखारी बनकर मैंने रेत नहीं छानी सर्पखोर, बल्कि उस रहस्य तक पहुंचने का रास्ता खोज डाला, जिसे सारी दुनिया आज तक एक कपोल-कल्पना मानती है!
पर तुमको यहां का रास्ता पता कैसे चला, करणवशी?

कैसा रहस्य ? खैर छोड़ो, रहस्य जानकर मुझको क्या करना है! वैसे भी जब मुझे भूख लगी होती है तो कुछ भी समझ में नहीं आता! वैसे ये नागराज कौन है ? उसका नाम सुनकर तो मेरे मुंह में पानी आ गया है!
चिन्ता मत कर सर्पखोर! यहां के नागों का पहले नाश्ता कर ले! फिर मैं तुझे नागराज का भोजन भी कराऊंगा!
इस मूर्ख को इतना बताना ही काफी है! यह समझ रहा है कि मैं इसका एहसान उतार रहा हूं! पर सच तो यह है कि इसको पिरामिडों के रक्षक सांपों की बस्ती में ले जाने का मेरा मकसद कुछ और ही है! दुनिया का सम्राट बनने का मकसद! और उसकी शुरुआत यहां से भी होगी!...
"...और महानगर से भी-"
एक साथ-
प्राचीन मिस्र की नायाब चीजों की यह प्रदर्शनी है तो बेमिसाल! पर इसको देखकर मैं करूंगा क्या ?
ये चीजें मैं तुम को दिखाने नहीं, बल्कि खुद देखने आई हूं नागराज!
आखिरकार, ये मेरे वतन की चीजे हैं! और अपने वतन से तो सभी को लगाव होता है!

लेडीज एंड जेंटिलमैन! इस प्राचीन मिस्री वस्तुओं की प्रदर्शनी में आपका स्वागत है! आपके सामने जो भी 'आर्टीफैक्ट्स' रखे हैं उन सबके साथ एक रहस्यमयी इतिहास जुड़ा हुआ है! लेकिन अब जो मैं आपको दिखाने जा रहा हूं, उसके साथ इतिहास तो जुड़ा ही है, पर साथ में जुड़ी है कई किंवदंतियां! यानी कही सुनी बातें! और ये नायाब आर्टीफैक्ट है...
मिस्र की सबसे मशहूर शासिका अतीव सुंदरी क्लियोपैट्रा के उस महल की एकमात्र तस्वीर, जिसको रानी क्लियोपैट्रा ने अपने पति रोम के सम्राट जूलियस सीजर के लिए बनवाया था!
अपना अंतिम युद्ध हारने के बाद क्लियोपैट्रा ने आत्महत्या भी इसी महल में की थी! परंतु उसके बाद इस महल का अता-पता तक नहीं चला!
लोगों का ऐसा कहना है कि रानी क्लियोपैट्रा के पास देवी आइसिस की कृपा से कई शक्तियां थीं! लोग उसको अपने-आप ही अपना शासक मान लेते थे! हर चीज पर उसकी हुकूमत चलती थी! और क्लियोपैट्रा की ये शक्ति उसके राजदंड के कारण थी! जो अब तक उसके महल में ही रखा हुआ है! पर अंत में उसकी निरंकुशता के कारण देवी आइसिस उससे रुष्ट हो गई और क्लियोपैट्रा शक्तियां होते हुए भी उनका प्रयोग नहीं कर पाई! पर मरने से ठीक पहले उसने ऐसा इंतजाम कर दिया था कि उसकी मृत्यु के बाद उसका जादुई शक्तियों से युक्त महल एक तस्वीर में बदल जाए!
ऐसी ही किसी एक तस्वीर में! और जब उस तस्वीर को पुराने महल के स्थान पर ले जाकर सूर्य की रोशनी में रखा जाएगा तो वह महल फिर से जी उठेगा! कहते हैं कि उस तस्वीर को उसने अपने किसी विश्वासपात्र के पास तब तक सुरक्षित रखवाया हुआ है, जब तक क्लियोपैट्रा आइसिस के शाप से मुक्त होकर फिर से जी नहीं उठती!

ये क्या बकवास कर रहा है! कही सुनी बातों को ऐसा बता रहा है, जैसे कि सारी कहानी सच हो!
हो भी सकती है, नागराज!
यानी अगर किसी के हाथ वह तस्वीर लग गई तो वह क्लियोपैट्रा की शक्तियों के दम पर दुनिया का शासक बन जाएगा!
इस कहानी के अनुसार तो ऐसा होना सौ प्रतिशत संभव है!
यानी अगर तुमको वह तस्वीर मिल गई तो तुम मुझ पर शासन करने लगोगी!
हा हा हा! हम तुम दोस्त हैं नागराज, और हमेशा रहेंगे! ये मेरा वादा है कि मैं चाहे पूरी दुनिया की शासिका बन जाऊं, पर तुम पर अपना हुक्म कभी नहीं चलाऊंगी!
कौन किस पर हुक्म चला रहा है, नागराज!
ध्रुव! तुम यहां पर कैसे?
मैं तो राजनगर म्युजियम वालों की रिक्वेस्ट पर उनके द्वारा यहां भेजे गए मिस्री आर्टीफैक्ट्स के साथ स्पेशल सिक्योरिटी के तौर पर आया हूं! पर सौडांगी हुकम किस पर चला रही थी?
किसी पर भी नहीं! न नागराज पर और न तुम पर ध्रुव! ऐसा कभी हो ही नहीं सकता!
नागराज तो सिर्फ एक मजाक कर रहा था!
नागराज की तो मैं नहीं जानता, लेकिन तुम जब चाहे मुझ पर हुक्म जरूर चला सकती हो सौडांगी! ऐनी टाइम!
यू फ्लर्ट! मजाक करता है मुझसे!
ओ हा हा हा! टेक इट ईजी, सौडांगी!
खतरा! मुझे खतरे का आभास हो रहा है, ध्रुव!

मुझे यहां पर तुमसे मिलने की उम्मीद तो नहीं थी, नागराज!
लेकिन फिर मिस्री वस्तुओं का यह खजाना तो मुझे लेकर जाना ही है! क्योंकि यह खजाना हमारा है!
तूतेन खामेन!
और मेरी पूरी सेना भी साथ है!

मुझे खबर तो थी कि कोई गिरोह पूरी दुनिया में फैले मिस्र की प्राचीन धरोहरों को लूट रहा है! पहले मुझे लगा था कि कोई मिस्र का देशभक्त यह काम कर रहा है। पर तुम्हारे जैसे दुष्ट का यह काम होगा, यह बात मेरे ध्यान में ही नहीं आई!
पर यहां पर आकर तूने बहुत बड़ी गलती की है तूतेन! अब तू यहां से बचकर नहीं जाएगा!
सौडांगी!
न तेरी तंत्र शक्तियां अब मेरा कुछ बिगाड़ सकती हैं और न ही नागराज की नाग शक्तियां, इस बार मैं अपने मुखौटे में अद्भुत मिस्री शक्तियां भरकर लाया हूं!
लूट लो सारा खजाना, मेरी ममी सेना के मृतकों!
कभी नहीं! यह खजाना मिस्र की सरकार ने हमारे देश को उपहार स्वरूप दिया है!
इसको कोई हाथ भी नहीं लगा सकता!
पर हम तुझको तो हाथ लगा सकते हैं न!
आऽऽऽह!
अद्भुत ताकत है इन ममियों में!
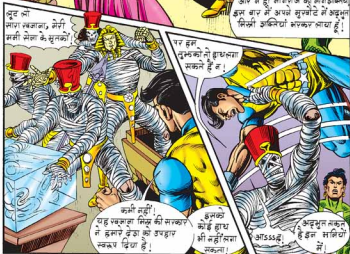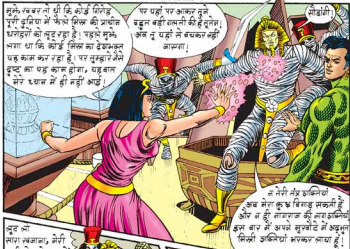
इन ममियों की सेना से तो ध्रुव निपट ही लेगा! मुझे तूतेन खामेन पर ध्यान देना चाहिए। सौडांगी उसकी शक्तियों के सामने कमजोर पड़ रही है। वैसे भी, तूतेन खामेन के हारते ही इसकी सभी सेना भी हार मान लेगी!
और इसको रोकने के लिए मेरी तीव्र विष-फुंकार का एक ही वार काफी है!
अब तक ऐसा मैं दर्शकों के मौजूद होने के कारण नहीं कर रहा था!
पर अब भीड़ छंट चुकी है!
आऽऽऽह! तेरी फुंकार तो काफी खतरनाक है! इसमें तो मरे हुओं को भी मारने की ताकत है!
जरा सूंघकर के बता तो कि मेरी बात सही है या नहीं!
फ्ऊऊ
आऽऽऽह! यह तो मेरी ही फुंकार पलट कर मेरे ही ऊपर छोड़ रहा है! पर कैसे? इसके पास जहर कहां से आया?
तूने दिया, नागराज! ये मेरे नूएमॉस्क की एक शक्ति है!
जो भी चीज इससे छू जाती है यह उस चीज की नकल फटाफट तैयार कर लेता है!
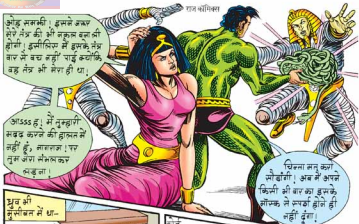
ओह समझी! इसने जरूर मेरे तंत्र की भी नकल बना ली होगी। इसीलिए मैं इसके तंत्र वार से बच नहीं पाई क्योंकि वह तंत्र भी मेरा ही था।
आऽऽऽह! मैं तुम्हारी मदद करने की हालत में नहीं हूं, नागराज! पर तुम जरा संभलकर लड़ना!
चिन्ता मत करो सौडांगी! अब मैं अपने किसी भी वार का इसके मॉस्क से स्पर्श होने ही नहीं दूंगा!
ध्रुव भी मुसीबत में था-
आऽऽऽह! अभी तो एक ममी से ही निपटने में मुश्किल हो रही है...
...आखिर इन सारे ममी सैनिकों को मैं ये आर्टीफैक्ट्स ले जाने से कैसे रोकूंगा?
कोई तो रास्ता होगा इनसे बचने का! स्टार ब्लेड्स इन पर शायद असर न कर पाएं! मुझे कोई बड़ी धारदार चीज चाहिए!
आहा! मिल गई मुझे वह चीज!
खशाक
ये कांच का टुकड़ा!

लेकिन ध्रुव का यह दांव ज्यादा देर तक काम नहीं आया-
ओह! दूसरे ममी सैनिक के वार ने कांच के धारदार टुकड़े को चूर-चूर कर दिया है!
और इस दौरान पहले ममी सैनिक ने अपने हाथ को फिर से पट्टियों की मदद से जोड़ लिया है!
यानी ये पट्टियां इनका कवच भी हैं और इनकी मुख्य शक्ति भी!
यानी एक बार अगर ये पट्टियां इनके शरीर से अलग हो जाएं तो इनके शरीर को सुरक्षित रखने वाला कवच खत्म हो जाएगा!
स्केट्स पर ध्रुव का शरीर तेजी से ममी सैनिक के कई चक्कर काट गया-
और तब मेरे वार इन पर असरकारी साबित होंगे!
तड़ाक
लेकिन एक ममी सैनिक की पट्टी उतारना तो आसान काम था। सब सैनिकों पर एक ही ट्रिक काम नहीं आएगी!
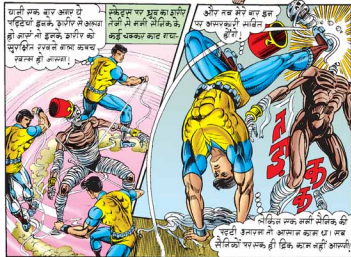
नागराज, तूतेन खामेन से भिड़ा हुआ था-
तेरी इन सदियों पुरानी सड़ी-गली पट्टियों को मेरे ध्वंसक सर्प राख में बदल देंगे! फिर यहां पर सिर्फ तेरा अदृश्य शरीर रह जाएगा!
और उस रूप में न तो तू यहां से कोई चीज उठाकर ले जा पाएगा और न ही वार कर पाएगा!
तूतेन रेत का पूरा एक टीला उगल सकता है! इस आग को बुझाने के लिए तो बाल्टी भर रेत ही काफी है!
लेकिन तेरे ध्वंसक सर्पों की आग ने मेरे मॉस्क का स्पर्श कर लिया है! ... अब मैं भी वैसी ही तेज ऊष्मा वाली आग पैदा कर सकता हूं!
सही कहा! ये आग मुझे नुकसान पहुंचा पाती! जरूर पहुंचा पाती!
अगर तूतेन खामेन रेत के सागर रेगिस्तान के बीच में पैदा न हुआ होता!
अब बता! तू अपने शरीर पर लगी आग को कैसे बुझाएगा?
आऽऽऽह! यह तो मेरे हर वार को पलटकर मुझ पर ही कर रहा है!

मेरे ही ध्वंसक सर्पों की ज्वाला मुझे भस्म करने में ज्यादा समय नहीं लेगी! मुझे तीव्र विषफुंकार की मदद से इस अग्नि को बुझाना होगा!
आदेश मिलते ही शीतनाग ने नागराज के सुलगते शरीर को बर्फीली चादर से ढककर ठंडा कर दिया-
लेकिन नुकसान तो हो ही चुका था-
नागराज का शरीर बुरी तरह से झुलस चुका था-
अरे! यह क्या? आग के बुझते ही तूतेन खामेन फिर से मुझ पर ज्वालाएं छोड़ रहा है!...
...शीतनागकुमार!
आऽऽऽह! मेरी नागशक्तियां मेरे घावों को जल्दी ही भर तो देंगी!...
...लेकिन इस कमजोर अवस्था में मैं उतने समय तक भी अपने आपको इस अदृश्य दुश्मन से कैसे बचा पाऊंगा!

नागराज को संभलने का मौका नहीं मिला-
अब तू बचकर कहां जाएगा, नागराज? तुझको मेरे मास्क का स्पर्श करना ही पड़ेगा! ताकि मैं तेरी सारी शक्तियों को हासिल कर सकूं! उनका प्रतिरूप बनाकर!
आsss ह! इसकी पट्टियों के पाशों ने मुझे बुरी तरह से जकड़ लिया है! और अब ये पट्टियां अमानवीय शक्ति के साथ मुझे अपनी तरफ खींच रही हैं! और इस कमजोर हालत में मैं इनका प्रतिरोध नहीं कर पा रहा हूं!
ध्रुव ने फिलहाल नागराज की कमजोरी बनी हुई पट्टियों को अपनी ताकत बना लिया था-
इस ममी सैनिक के शरीर से खोली गई पट्टी को मैं अपने हाथों पर लपेट लेता हूं!
अगर ये पट्टियां इन ममी सैनिकों को मेरे वारों से सुरक्षित रखती हैं तो मुझे भी इनके वारों से सुरक्षित रखेंगी! ये चमत्कारी पट्टियां हैं! पहले सैनिक का हाथ जब मैंने काटा था तो हाथ के साथ-साथ कटी पट्टी फिर से जुड़ गई थी!
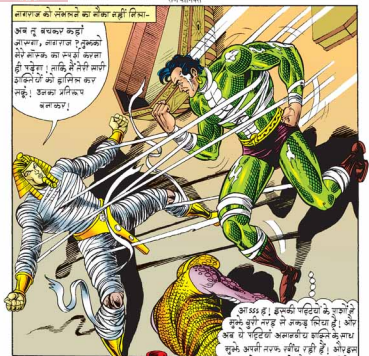
वाह! इन पट्टियों को लपेटने के बाद मैं अपने हाथ में एक अद्भुत शक्ति महसूस कर रहा हूं! अब मेरे वार में वह ताकत है जो इनके सड़े-गले शरीरों को चूर-चूर कर सकें!
कड़ाक
अरे! ये सभी ममी सैनिक एकाएक रुककर उधर क्या देख रहे हैं?
उधर तो सिर्फ एक तस्वीर है! क्लियोपैट्रा के महल की तस्वीर!
लेकिन इससे भी इनको खत्म नहीं किया जा सकता! सिर्फ रोका जा सकता है! क्योंकि इनके शरीर तो टूटकर फिर से जुड़ जाएंगे!
अरे! एकाएक इनकी दिलचस्पी बाकी प्राचीन चीजों से खत्म होकर क्लियोपैट्रा के महल की तस्वीर में बढ़ गई है! ये उस तस्वीर को उठाना चाहते हैं! आखिर ऐसा क्या है इस तस्वीर में!
खैर, यह तो तभी पता चल पाएगा, जब मैं इनको तस्वीर ले जाने से रोक पाऊंगा!

नागराज भी इन अद्भुत शक्तियों युक्त मुर्दों से निपटने की भरपूर कोशिश कर रहा था-
ये मुझे अपने मॉस्क से स्पर्श कराने की कोशिश कर रहा है! मुझे इसके मॉस्क को इसके शरीर से हटाना ही होगा!
मैं अपने किसी भी वार से इसके मॉस्क का स्पर्श नहीं कर सकता! लेकिन इसने अंजाने में मुझे एक ऐसी चीज थमा दी है, जिससे मैं इसके मॉस्क को हटा सकता हूं?
और वह चीज है इसकी पट्टियां!
नागराज का शरीर हवा में कलाबाजी खाने लगा-
और तूतेन खामेन की पट्टियां उसके ही शरीर से रगड़ खाने लगीं-
और ऐसी ही एक पट्टी की रगड़ के झटके ने तूतेन खामेन के मास्क को उतार फेंका-
अब तू एक अदृश्य आत्मा के अलावा कुछ भी नहीं है तूतेन खामेन!
न तेरे पास अब तेरा शक्तिधारक मॉस्क है और न ही चमत्कारी पट्टियां!
अब तू किसी का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता!

कहानी 19 पेज से जारी

वाह, नागराज! तुमने तूतेन खामेन की शक्ति को नष्ट कर दिया है! बस, इतना ध्यान रखना कि इसकी पट्टियों वाला ये गोला, इसके मॉस्क के संपर्क में न आए! अगर ऐसा हुआ तो मॉस्क की शक्ति से तूतेन खामेन की आत्मा फिर से पट्टियों का शरीर धारण कर लेगी!
ये काम मैं तुम पर छोड़ जाता हूं सौडांगी! पट्टियों की सुरक्षा करना! तब तक मैं ध्रुव की मदद करता हूं!
ध्रुव ने अब तक ममी सैनिकों को क्लियोपैट्रा के महल की तस्वीर को हथियाने नहीं दिया था-
लेकिन अब मुकाबला मुश्किल होता जा रहा था-
ओह! ममी सैनिकों के खड़े ताबूतों से तो और सैनिक निकलते आ रहे हैं!
ये ताबूत जरूर इन ममियों का संपर्क उस दुनिया से जोड़ते हैं जहां से ये आ रहे हैं!
मैं इतने सारे सैनिकों का मुकाबला एक साथ नहीं कर सकता!
अब नागराज भी तुम्हारे साथ है! तूतेन खामेन तो खत्म हो गया! लेकिन मैंने सोचा था कि ऐसा होने से ये सैनिक भी खत्म हो जाएंगे पर ऐसा कुछ नहीं हुआ!
तुमको इनका मुकाबला अकेले करना भी नहीं है ध्रुव!
अब इन सैनिकों को हमें ही खत्म करना होगा!

लेकिन इनको खत्म करके भी क्या होगा? एक को खत्म करोगे तो दो और ताबूत से निकल आएंगे!
तुम कोई रास्ता सोचो ध्रुव!
तब तक मैं इनसे निपटता हूँ!
नागराज के नागशक्ति से भरे वार ममी सैनिकों के शरीरों को ककड़ी की तरह तोड़ते जा रहे थे-
लेकिन किस्मत कुछ और ही रंग दिखाने जा रही थी-
आऊ! अभी ममी सैनिक का ये भाला मेरे शरीर के आरपार हो जाता!
सौडांगी के हाथ से पट्टियों का गोला छूटकर तूतेन खामेन के मॉस्क से जा टकराया-
और पलभर में बाजी पलट गई-
हा हा हा, नागराज! मैंने मॉस्क से तेरे शरीर का स्पर्श कर लिया है!
अब तेरी सारी शक्तियों का प्रतिरूप मेरे पास है! अब तू मुझसे नहीं बच सकता!
ओफ! ये क्या हो गया?
ध्रुव जल्दी कोई रास्ता सोचो! वर्ना ये सबकुछ खत्म कर देगा!

कुछ समझ में नहीं आ रहा है, नागराज!
अरे! मिल गया रास्ता!
इस ममी सैनिक को मैंने इनके ताबूत के अंदर फेंका तो वह अंधेरे में ही गायब हो गया!
यानी यह ताबूत दोनों तरफ से काम करता है। इन सैनिकों को इनकी दुनिया से यहां पर ला भी सकता है और वापस भेज भी सकता है!
तूतेन खामेन की भी यही कमजोरी होगी!
इसका ताबूत इसको वापस इसकी दुनिया में भेजने का द्वार होगा!
परन्तु हम इसको वापस आने से कैसे रोकेंगे?
रोकने का तो एक ही तरीका हो सकता है नागराज!
इनको वापस भेजकर ताबूतों को नष्ट कर देना!
अब ऐसा नहीं हो सकता, नागराज!
पहले मैं सिर्फ अपनी शक्तियों के बल पर तुमसे लड़ रहा था नागराज! लेकिन अब मेरे पास तुम्हारी नागशक्तियां भी हैं!
अब मुझको न कोई रोक सकता है और न ही मुझसे बच सकता है!

अब देख कि मैं तेरी ही शक्तियों का कहर तुझ पर कैसे ढाता हूं!
आऽऽऽह! पता नहीं ये कैसा वार करना चाहता है! पर वह वार जो भी होगा काफी खतरनाक होगा!
इसको वह वार करने से पहले ही रोकना होगा!
यह तो समझे नागराज!
पर हम इसको रोकें तो रोकें कैसे?
आऽऽऽह!
हम इस पर जिस शक्ति का वार कर सकते हैं, उसको यह हम पर ही आजमा रहा है!
अब तूतेन खामेन को नागराज की शक्तियों का गलत प्रयोग करने से कोई भी नहीं रोक सकता था-
अब देखो कि मैं तुम सबकी मौत का कैसा खौफनाक जल्लाद पैदा करता हूं!
वह तो देखना मुश्किल है तूतेन! ऐसे डरावने शोज मैं सिर्फ टी. वी. पर देखना पसंद करता हूं! और यहां पर मौजूद एकमात्र क्लोज सर्किट टी. वी. को मुझे तुम्हारे सिर पर फोड़ना पड़ रहा है!
टी. वी. की पिक्चर ट्यूब में दौड़ रही हाई वोल्टेज की बिजली इसके मेटल मॉस्क को छूकर इसको ऐसा झटका देगी जो तूतेन खामेन के शरीर को कुछ पलों के लिए सुन्न कर देगी!

ध्रुव ने मुझे वह मौका दे दिया है जिसकी मुझे तलाश थी! अब मुझे तूतेन खामेन को इसके ताबूत में वापस 'पैक' कर देना है! लेकिन ये तो अभी भी मुझे हवा में ही लटकाए हुए है! मेरे पैर अगर कहीं टिक सकें तो मैं इसको इसके ताबूत तक पहुंचा सकता हूं! पर मैं पैर टिकाऊं तो कहां पर? ठीक है!

अगर मैं पैर जमीन या दीवार पर नहीं टिका सकता...

...तो छत पर टिकाऊंगा!

नागराज का शरीर हवा में ही मुड़ा और उसके पैर छत पर जा टिके–

अब नागराज को वह सहारा मिल गया था, जिसकी मदद से–

वह तूतेन खामेन को वापस उसके ताबूत तक पहुंचा सकता था–

ध्रुव ने ताबूत का ढक्कन बंद करने में एक पल भी नहीं लगाया–

और न ही नागराज ने ताबूत को नष्ट करने में समय बरबाद किया-
वाह, नागराज! अब इन ममी सैनिकों को भी इनके ताबूतों में भेजकर ताबूतों को नष्ट करने में मेरी मदद करो!
नागराज और ध्रुव एक लड़ाई तो जरूर जीत गए थे-
लेकिन ये तो एक महायुद्ध की सिर्फ शुरूआत थी-
करणवशी ने सर्पखोर को पिरामिडों के रखवाले सर्पों तक पहुंचा दिया था-
धन्यवाद करणवशी! सड़प! धन्यवाद!
इतने स्वादिष्ट सर्प मैंने कभी नहीं खाए!
आऽऽऽह! ये कैसा दुश्मन है, जिस पर हमारे सारे वार बेअसर हुए जा रहे हैं!
इसको तुम सब मिलकर भी नुकसान नहीं पहुंचा सकते! इसको गरुड़ का वरदान मिला हुआ है!
कोई भी सर्प किसी भी वार से इसको मार नहीं सकता!

इसको रोक सकता हूं तो सिर्फ मैं!
तुम आखिर चाहते क्या हो?
वह मैं तुमको पहले ही बता चुका हूं!
और हम भी तुमको बता चुके हैं कि उस तस्वीर के बारे में हम कुछ नहीं जानते!
जहां से मुझे तुम्हारी सर्प बस्ती का नक्शा मिला था वहीं से मुझको क्लियोपेट्रा का लिखा हुआ एक ताड़पत्र भी मिला था, जिसमें उसने उस तस्वीर को इसी कबीले के किसी इच्छाधारी सर्प के हाथों में सौंपने की बात लिखी थी!
अब तुम सबकी भलाई इसी में है कि तुम वह तस्वीर या तो मेरे हवाले कर दो या फिर मौत के मुंह में जाने को तैयार हो जाओ!
लेकिन वह तस्वीर हमारे पास नहीं है! वह हमारे पास कभी थी ही नहीं!
याद करो, याद करो! वर्ना तुम सिर्फ नाम के मुखिया रह जाओगे! तुम्हारा कबीला गायब हो चुका होगा!
महानगर में-
ये गया आखिरी ताबूत! हमने ममियों के यहां पर आ सकने के हर द्वार को बंद कर दिया है!
पर यह बात समझ में नहीं आई कि वे सब कुछ छोड़कर इस तस्वीर के पीछे क्यों पड़े थे?
कैसी तस्वीर... ओ! यह तो क्लियोपेट्रा के महल की तस्वीर है! शायद वे यह नहीं समझ पा रहे थे कि ये एक नकल है! प्रतिलिपि! डुप्लिकेट!
यानी कोई असली तस्वीर भी है! अब तो मुझे यकीन हो गया है कि तुम उस एनाउंसर की बात पर विश्वास करने लगी हो!

ओह!
क्या हुआ सौडांगी? तुम्हारे सिर पर लगा हुआ 'सर्प-मुकुट' एकाएक चमकने क्यों लगा?
ये भीषण खतरे का संकेत है नागराज! मिस्र स्थित मेरे कबीले पर कोई भयंकर मुसीबत आई है! मुझे तुरंत जाना होगा!
पर उससे पहले एक जरूरी काम और है! तुम और ध्रुव मेरे साथ आओ!

थोड़ी देर बाद- एक सुनसान स्थान पर-
क्या बात है सौडांगी?
ऐसा कौन सा काम है जो तुम्हारे लिए कबीले की रक्षा से बढ़कर है।
एक ही समय में ममियों द्वारा इस तस्वीर की चोरी और मेरे कबीले पर खतरा आने में जरूर कोई संबंध है नागराज! और जहां तक मैं समझती हूं...

हम इच्छाधारी नागों की आयु काफी होती है! जब मेरी मां सैकड़ों वर्ष की आयु में स्वर्गवासी हुई तो उसने इस तस्वीर को मेरे हवाले करते हुए यह कहा था कि चाहे अपनी जान दे देना, पर गलत हाथों में इन तस्वीरों को मत पड़ने देना!
अब मुझे लगता है कि यह जो कुछ भी हो रहा है वह इन तस्वीरों के कारण ही है! इन तस्वीरों को ढूंढा जा रहा है और किसी को यह पता चल गया है कि ये तस्वीरें पिरामिड के रक्षक नागों के पास हैं! मुझे अपने कबीले की रक्षा के लिए जाना होगा...
...लेकिन वहां पर इन तस्वीरों के लिए खतरा हो सकता है! इसीलिए मैं इनको तुम दोनों के हाथों में सौंपना चाहती हूं! तुम दोनों इनकी रक्षा करने में सक्षम हो! और जब ये तस्वीरें अलग-अलग स्थानों पर रहेंगी तब इनको पाना और भी मुश्किल होगा!
अगर तुम्हारे कबीले पर खतरा आया हुआ है तो मैं भी तुम्हारी मदद के लिए तुम्हारे साथ चलूंगा, सौडांगी!
नहीं, नागराज! मेरी सुरक्षा से ज्यादा जरूरी इन तस्वीरों की सुरक्षा है। अगर तुम लोग मेरे साथ चलोगे तो इन तस्वीरों को मैं किसके हवाले करूंगी!
ठीक है सौडांगी! पर अगर खतरा बड़ा हो तो हमें जरूर संदेश भेज देना!
तंत्र शक्ति से सौडांगी का शरीर मिस्र के पिरामिडों के नीचे स्थित उस स्थान की तरफ रवाना होने लगा-

जहां पर सर्पखोर, रक्षक सर्पों का आहार करता ही जा रहा था-
छोड़ दे मेरे सर्पों को दुष्ट! तू जो चाहता है वह हम तुझे नहीं दे सकते! क्योंकि वह चीज हमारे पास है ही नहीं!
ऐसे दुष्ट मांगने से कुछ नहीं देते, मुखिया!
इनसे अपना हक छीनना पड़ता है!
सौडांगी! तुम इसको मार नहीं सकती! इसको गरुड़ से वरदान मिला हुआ है कि कोई भी सर्प इसको मार नहीं सकता!
पर ये चाहता क्या है? हमसे क्या दुश्मनी है इसकी?
इसको क्लियोपैट्रा के महल की तस्वीर चाहिए। और वह हमारे पास है ही नहीं! पर ये इस बात को सच मानने को तैयार ही नहीं है!
समझी! मेरा अनुमान सही निकला! पर ये शैतान तो नष्ट होकर ही रहेगा!
अगर ये विष्णु देव के वाहन और हमारे दुश्मन गरुड़ के कारण हमारे वारों से बच रहा है तो इसकी इस शक्ति को नष्ट करेगी सर्पों के रक्षक महादेव की शक्ति!
उनका प्रिय वाद्य यंत्र डमरू इस दुष्ट का विनाश करेगा!

डमरू की डमडमाहट, सर्पखोर के शरीर के हर अंग को कंपकपाने लगी-
उसके पैर कांपने लगे-
और रक्षक सर्पों के हर वार के साथ उसके मुंह से चीखें निकलने लगीं-
डमरू की ध्वनि शक्ति, गरुड़ शक्ति को नष्ट कर रही थी-
सौडांगी की चाल ने सर्पखोर का नाश लगभग कर ही डाला था-
डमरू की डम-डम अब किसी भी पल सर्पखोर की खोपड़ी को तोड़ सकती थी-
लेकिन उसी पल डमरू सौडांगी के हाथ से छूट गया-
ये पट्टी! ये तो...
...तूतेन खामेन की है! तू... तू यहां पर भी आ धमका, दुष्ट!
यहां पर मुझे तो आना ही था। करणवशी का आदेश जो था कि प्राचीन मिस्री वस्तुओं की लूट के बाद मुझे करणवशी को पूरा विवरण सुनाना है!
चकित मत हो सौडांगी! सर्पखोर की तरह ये भी मेरा गुलाम है!

दरअसल मिस्र आने पर सबसे पहले मैं इसी से टकराया था! नागराज से मेरी दुश्मनी की बात सुनकर ये मेरा दोस्त बन गया और अपने एक अन्य दोस्त सर्पखोर की मदद से इसने नागराज के उस सूक्ष्म सर्प को खत्म करा दिया जो मेरी सम्मोहन शक्ति को नष्ट करता था! ऐसा होते ही मैंने तूतेनखामेन को सम्मोहन के द्वारा अपना गुलाम बना लिया!

... यह खबर मिलते ही मैंने तूतेन खामेन और इसकी सारी सेना को पहले पूरी दुनिया में फैली प्राचीन मिस्री वस्तुओं में से इस तस्वीर को ढूंढने के लिए भेजा! पर जब थोड़े दिनों तक इसको सफलता नहीं मिली तो मैं सर्पखोर के साथ तुम्हारे कबीले को ढूंढने निकल पड़ा!

पर अब तूतेन वापस आ गया है! इस बार क्या रहा तूतेन ?

तस्वीर तो मिली पर वह नकली थी करणवशी! लेकिन वहां पर नागराज और ध्रुव से टक्कर हो गई!

इसीलिए बगैर कुछ लाए वापस भागना पड़ा!

इसने मुझे क्लियोपैट्रा के महल की कहानी सुनाई और इसी ने मुझको इस भूमिगत सर्प कबीले के बारे में यह बताया कि क्लियोपैट्रा का महल तस्वीर के रूप में यहीं पर है!

इसने वह महल पाने की कोशिश कभी इसलिए नहीं की, क्योंकि किसी मृत व्यक्ति को उसकी शक्तियां नहीं मिल सकतीं!...

खैर, अब तो सर्पखोर के साथ तुम भी आ गए हो तूतेन! अब इन सांपों को दहशत का वह नजारा दिखाओ कि अगर इनके पास वह तस्वीर हो तो ये खुद-ब खुद उसको मेरे हवाले कर दें!

इससे कोई फायदा नहीं होगा करणवशी! जब तस्वीर हमारे पास है ही नहीं तो लड़ने से भला क्या मिलेगा!

तुम सर्प तब से यही दोहराए जा रहे हो कि तस्वीरें तुम्हारे पास नहीं हैं! यह नहीं कहा है कि तुमको उनका पता नहीं है...
... अब मुझको सच्चाई जाननी होगी! तुम सबको सम्मोहित करके पता करना होगा कि तुमको यह पता है कि नहीं कि वे तस्वीरें कहाँ पर हैं!
मेरी आँखों में देखो!
अब बताओ कि वे तस्वीरें कहाँ हैं?
हम सर्पखोर या तूतेन खामेन नहीं हैं करणवशी! हम इच्छाधारी सर्प हैं! हम दूसरों को सम्मोहित करते हैं! कोई हमको सम्मोहित नहीं करता!
जवाब कहीं और से आया-
करणवशी की तीव्र सम्मोहन शक्ति ने सौडांगी को भी सम्मोहित कर दिया था-
महल की एक तस्वीर नागराज के पास है! और एक और...
नागराज के पास!
ओफ! इस दुनिया में छह सौ करोड़ लोग हैं! और उनमें से तस्वीर है भी तो किसके पास! नागराज के पास!
मुझसे ज्यादा खराब किस्मत किसी की हो ही नहीं सकती!
अब नागराज से वह तस्वीर कौन लाएगा? बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा!
मुझे भेज दो करणवशी! पहले मैं नागराज से तस्वीर छीनूंगा और फिर सड़प... स्वाद ले लेकर उसकी बोटियाँ खाऊंगा!
अरे, मूर्ख, वह तुमको कच्चा चबा जाएगा! बिना डकार के निगल जाएगा!
तूतेन का हाल देख! इससे पूछ नागराज के बारे में!
चिन्ता मत करो करणवशी! मेरे पास एक ऐसा अजूबा प्राणी है जो नागराज से तस्वीर ला सकता है और नागराज उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता!
हुडवडी ने करणवशी ने सौडांगी की पूरी बात नहीं सुनी थी-
उसको अभी तक यह नहीं पता था, कि तस्वीरें एक नहीं दो हैं!

महानगर- जहां की चमकती जिन्दगी को भरपूर जीने के लिए अधिकतर लोग एक ही चीज चाहते हैं-
पैसा हासिल करना-
फिर चाहे पैसा सही रास्ते से चलकर आए-
अरे! रास्ते में कोई गिरा हुआ है!
शायद कोई गाड़ी वाला इसको टक्कर मारकर भाग गया है! मैं इसे देखता हूं!
या फिर गलत रास्ते से-
हैलो! आप ठीक तो हैं भाई साहब?
अभी तक तो नहीं था...
...पर अब हो जाऊंगा!
जब तुम अपना पर्स, घड़ी और बीवी के गहने मेरे हवाले कर दोगे!
या कहो तो ये सारी चीजें हम तुम लोगों की लाश पर से उतार लेंगे!
आप लोगों ने एकदम सही आदमी को रोका है! मेरे पास पर्स भी है, घड़ी भी और बीवी के शरीर पर गहने भी काफी हैं!
दरअसल मुझे तनख्वाह काफी अच्छी मिलती है!
अरे मुझे ही क्या...

कहानी 35 पेज से जारी
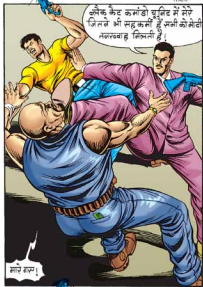
ब्लैक कैट कमांडो यूनिट में मेरे जितने भी सहकर्मी हैं सभी को मोटी तनख्वाह मिलती है!
मारे गए!
ब्लैक कैट कमांडो का शरीर बिजली की गति से घूम रहा था-
तड़क
और दोनों गुंडों को झटके भी लग रहे थे-

खड़े हो जाओ नाली के कीड़ों। तुम मेरी पत्नी के जेवर उतारना चाहते थे, पर मैं तुमको जेवर पहनाऊंगा। लोहे के वे कड़े, जिनको तुम हथकड़ी कहते हो। चलो पुलिस स्टेशन!
कहां फंस गए यार! अरे सब मुसीबत में भगवान को बुलाते हैं पर हमारी मदद तो शैतान ही कर सकता है!
अरे, शैतान जी, हमको इस मुसीबत से बचा लो!
दिल से निकली सच्ची पुकार कभी व्यर्थ नहीं जाती-
चाहे भगवान को पुकारो-
सांप!
या शैतान को-
ये... ये सांप मेरे हाथ से बंदूकें छीन रहे हैं!
इन बदमाशों की मदद कर रहे हैं!
पर सांप तो सिर्फ नागराज छोड़ता है! और नागराज ऐसे कमीनों की मदद भला क्यों करेगा!
ये नागराज किसी की मदद नहीं करता है। न कमीनों की और न ही शैतानों की!

क्योंकि ये नागराज़ खुद एक शैतान है!
एक-एक करके मैं तुम सबकी जान लूंगा! क्योंकि तुम्हारे शरीरों से मिलेगा मुझे अपना शरीर!
कऊऊक
अभी तो मैं इन पट्टियों के खोल में बंद शक्तियों के अलावा और कुछ भी नहीं हूं!
कुछ भी करने के लिए मुझे पहले एक शरीर चाहिए! अपना खुद का शरीर!
ये... ये तो सचमुच कोई शैतान है! मुझे तो लग रहा है कि नागराज ही शैतान बन गया है!
उसके जहर ने आखिरकार उसको पागल कर ही दिया है! अब यह हम सबको मार डालेगा!
शायद तू सही कह रहा है! सांप तो नागराज के अलावा और कोई छोड़ ही नहीं सकता!
पर ये शरीर का क्या चक्कर है? खैर होगा कुछ! हमको तो यहां से बस भागना है!

भागने कहां हो? अभी तो मेरा कंकाल भी पूरा नहीं हुआ है। उस पर नसों और मांसपेशियों की पर्त कहां से आएगी! और फिर...
... उस पर खाल भी तो चढ़ानी है! तभी तो पूरा बनेगा...
... सभी नागराज!
अब मुझे इतना शरीर मिल गया है कि मैं काम शुरू कर सकूं!
और वहकाम है!

नागराज को ढूंढने का काम!
सुना है कि इस शहर पर अगर मुसीबत आए तो नागराज खुद ही उस मुसीबत से निपटने आ पहुंचता है!
आज 'ममी नागराज' नाम की मुसीबत नागराज को यहां पर बुलाएगी।
जा बल्लू बल। इस नगर के वासियों को मुसीबत का मतलब बता!
"और नागराज को बुला-"
पुलिस को घटनास्थल पर एक खाली कार और चार लाशें मिली हैं जो देखने में 'ममी' जैसी लग रही हैं!
अगर इनके शरीर पर मॉडर्न कपड़े न होते तो शायद इनको प्राचीन युग की ममियां ही समझा जाता!
भारती चैनल के लिए मैं निशा।
ममी! फिर से वही ममियों का चक्कर!
मैं तो समझा था कि तूतेन खामेन के जाने के साथ ही इन ममियों का चक्कर खत्म हो गया है!
लेकिन अगर तूतेन खामेन वापस आ भी गया है तो वह लोगों को ममी में भला क्यों बदलेगा?
तुम पर दबाव बनाने के लिए वह ऐसा कर रहा होगा। ताकि तुम विवश होकर सौडांगी द्वारा दी गई तस्वीर उसको सौंप दो।
वह जानता है कि निर्दोषों की जान बचाने के लिए तुम कुछ भी कर सकते हो!

मगर मैं ऐसा नहीं कर सकता! सौडांगी के अनुसार इस महल में मौजूद शक्तियों की मदद से पूरी दुनिया पर कहर बरपा किया जा सकता है। सौडांगी ने मुझ पर रक्षा का भार सौंप कर जो विश्वास मुझ पर दिखाया है उसे मैं तोड़ नहीं सकता!
और तुम निर्दोषों को मौत के मुंह में जाता भी नहीं देख सकते। फिर तो कोई न कोई रास्ता निकालना ही होगा। लाओ, यह तस्वीर मुझे दो!
पर आप इस तस्वीर का क्या...
अरे!
क्या हुआ नागराज?
वह इमारत! वह एकाएक ढह रही है! जबकि न कोई तूफान आया है और न ही भूकंप!
जरूर कोई गड़बड़ है! शायद ये तूतेन खामेन का दूसरा वार है!
मुझे जाना होगा!
जाओ, नागराज! तब तक मैं इस तस्वीर को सुरक्षित रखने का कोई उपाय ढूंढता हूं!
नागराज ने घटनास्थल पर पहुंचने में सिर्फ कुछ ही पलों का समय लगाया था! लेकिन इतनी ही देर में-
पूरी इमारत ढह चुकी है! और मलबे तक का नामोनिशान नहीं है! लोहे और लकड़ी की वस्तुओं को छोड़कर सबकुछ चूर-चूर होकर पाउडर में बदल गया है!
पाउडर में नहीं...

... बालू में बोल! बालूबल ने इस पूरी इमारत में लगी कंक्रीट, ईंटों और सीमेंट को कणों में बदल दिया है! अब ये इमारत सिर्फ रेत का एक ढेर है!
और ऐसा ही बालूबल इस नगर की हर इमारत के साथ करेगा!
लेकिन नागराज तुझको ऐसा नहीं करने देगा! अब तू खुद रेत जैसे कणों में अगर बदलना नहीं चाहता है तो बता कि तू ऐसा क्यों कर रहा है! किसने भेजा है तुझको यहां पर?
नागराज! मैं तुझको ही तो ढूंढ रहा था! और मुझे यहां पर भेजने वाला भी तो तू ही है!
ये क्या बकवास है। मुझे ढूंढ रहे हो, और मैंने ही तुमको यहां पर भेजा है!
लगता है कि तू सच तभी बोलेगा जब मैं तेरा दिमाग ठिकाने पर ले आऊंगा!

और तेरा दिमाग ठिकाने पर लाने के लिए मेरी मामूली सी विषफुंकार ही काफी है!
मैंने सुन रखा है तेरी विषफुंकार के बारे में! दुनिया का सबसे खतरनाक विष है तेरे पास! इसलिए मैं तेरी विषफुंकार को अपने पास पहुंचने ही नहीं दूंगा!
विषफुंकार को तो तूने परों की हवा द्वारा फैला दिया! लेकिन मेरी ध्वंसक सर्पों को तू कैसे रोकेगा, ये बता!
रोकूंगा क्यों? वैसे भी मैं इनको फटने से तो रोक सकता ही नहीं! मैं तो इनको चबा सकता हूं!
ओ ओ ओ! ये तो... उम्मफ...मेरे मुंह के अंदर फट रहे हैं! उम्मफ!
उम्मफ!
अरे! ध्वंसक सर्प इसके मुंह के अंदर फट रहे हैं! पर उससे इसका मुंह नहीं फट रहा!
बल्कि इसके मुंह का आकार हवा से भरे गुब्बारे की तरह बढ़ रहा है!

अब मैं इनको नहीं संभाल सकता! ले इसको तू ही संभाल!
फूऊ ssssss
ये कोशिशें मत कर नागराज! मैं बालूबल हूं! बालू का बना एक प्राणी! और बालू को न आग नष्ट कर सकती है, और न ही पानी!
पर तेरी गर्दन को धड़ से अलग करने के लिए मेरा एक थप्पड़ ही काफी है!
आऽऽऽह! इसने तो ध्वंसक सर्पों के सभी धमाकों को अपने मुंह में समेटकर एक साथ मुझ पर उगल दिया!
मेरे ही ध्वंसक सर्पों का वार मुझ पर दूसरी बार हो रहा है!
कमाल है! मुझे उम्मीद नहीं थी कि बालूबल, नागराज को इतनी देर तक रोक पाएगा!
अब मुझे नागराज से उलझने की जरूरत नहीं है! मैंने नागराज के आने की दिशा देख ली है! अब मैं नागराज की गंध का पीछा करता हुआ उस स्थान तक पहुंच सकता हूं जहां से नागराज आया है!

जहां से नागराज आया है वहीं पर नागराज का ठिकाना होना चाहिए और वहीं पर होनी चाहिए वह तस्वीर!
सूंसूंसूं!
ममी नागराज हवा में नागराज की गंध को सूंघता हुआ–
उस तरफ बढ़ चला जहां पर वह चीज मौजूद थी जिसकी उसको तलाश थी–
क्लियोपैट्रा के महल की असली तस्वीर–
ये क्या कर रहे हैं, दादाजी?
नागराज की मदद कर रहा हूं! इस तस्वीर की सुरक्षा का कुछ उपाय करके!

कैसा उपाय ... अरे! घंटी बज रही है! यानी इस मकान की रक्षा करने वाला आपका तिलिस्मी सिस्टम यह बता रहा है कि कोई मकान के अंदर आ रहा है!
कोई कौन? नागराज ही होगा! किसी और को तो यह तिलिस्म मकान में घुसने से पहले ही रोक देगा!
पर नागराज तो अक्सर नागरस्सी पर झूलते हुए खिड़की से अंदर आता है! आज दरवाजे से क्यों आ रहा है?
मूड होगा उसका! और क्या?
एक बात बताइए! आपका तिलिस्मी सिस्टम नागराज को पहचानता कैसे है? क्या आपने इस सिस्टम में नागराज की कोई फोटो भर रखी है?
नहीं नहीं! ऐसे करता तो कोई भी नागराज का सा मेक-अप करके अंदर घुस आता! मेरा तिलिस्मी यंत्र नागराज की शक्तियां पहचानता है!
नागराज सी शक्तियां किसी और में नहीं हैं! नागदंत तक में नहीं!

लेकिन मुझमें है! मैं नागराज की शक्तियों से ही बना हूं! मुझमें नागराज की हू-बहू शक्तियां हैं! क्योंकि मैं हूं ममी नागराज!
अब ला! ये तस्वीर मुझे दे दे बुड्ढे! इसकी तलाश में मैं बहुत दूर से आया हूं।
ओह! मेरा शक सही निकला! ये षड्यंत्र जरूर तूतेन खामेन का ही है!
हां, ये योजना मेरे मालिक तूतेन खामेन की ही है। उन्होंने ही अपने मॉस्क की मदद से नागराज की शक्तियां खींची और फिर मुझे उस शक्ति का रूप बनाकर यहां पर भेज दिया! अब समय खराब मत कर! तस्वीर मेरे हवाले कर दे।
वर्ना मैं तुझे भी ममी बना दूंगा!
मुझे ममी बनने का कोई शौक नहीं है! तुम आगे बढ़ो और तस्वीर उठा लो!
तुम इस पर नजर रखना भारती...

तब तक मैं तिलिस्मी यंत्रों की मदद से ऐसा तिलिस्म रच दूंगा कि ये तस्वीर लेकर यहां से बाहर न जा पाए!
उम्मम्फ! ये तस्वीर एकाएक इतनी भारी कैसे हो गई कि मैं अपनी और नागराज की भी सारी शक्तियां लगाकर इसको उठा नहीं पा रहा हूं!
जरूर इस बूढ़े ने इसमें कुछ गड़बड़ कर दी है! और अगर उसने गड़बड़ की है...
...तो इसको ठीक भी वही करेगा! कहां पर है वह बूढ़ा?
उन तक तुम तभी पहुंच पाओगे जब या तो तुम मुझे पार कर पाओगे...
...या फिर तिलिस्मी शोलों की इन लहरों को!
जब तक नागराज खतरे का संकेत पाकर वहां पर नहीं आ जाता-
भारती ममी नागराज को तब तक रोके रखने की भरपूर कोशिश कर रही थी-
और इस भयानक खतरे का संकेत नागराज तक पहुंचाने के लिए नागराज का एक जासूस सर्प वहां पर मौजूद था-

नागराज को खतरे के सर्प संकेत मिलने लगे-
ओफ़! कोई ममी क्लियोपैट्रा की तस्वीर चुराने की कोशिश कर रही है! पर वह ममी उस तिलिस्मी घर के अंदर घुसी कैसे?
खैर, इसका पता तो वहीं पर पहुंच कर चलेगा! और वहां पर मैं तभी पहुंच पाऊंगा जब मैं इस बालू बल से पीछा छुड़ा पाऊंगा!

तू मुझसे पीछा छुड़ाकर भागना चाहता है नागराज! पर ऐसा हो ही नहीं सकता! मुझे तो तुझको लेकर अपने मालिक के पास जाना है!
अब तक तूने मेरी शक्ति का सिर्फ एक हिस्सा देखा है! अब मैं तुझे अपनी दूसरी शक्तियां दिखाऊंगा! ले देख!
ओऽऽऽह! इसने मेरी सर्प रस्सी के सर्पों को भी रेत की मूर्तियों में बदल दिया है! और अब वे टूट-टूट कर गिर रहे हैं!
यानी ये कंक्रीट, सीमेंट और ईंटों के अलावा जीवित वस्तुओं को भी रेत में बदल सकता है!

हां, नागराज! मैंने अब तेरी शक्तियों के स्रोत को ढूंढ लिया है! और वह स्रोत हैं तेरी कलाईयां!
तू कलाईयों से ही सर्पों को निकालता है न! इसीलिए मैं तेरी कलाईयों तक के हिस्से को रेत में बदल देता हूं! फिर न रहेंगी तेरी कलाईयां और न ही निकल पाएंगे तेरे घातक सांप! न रहेगा बांस और न बजेगी बांसुरी!
ओह! इसने ये क्या किया!
अब सांपों की तरह मेरी कलाईयां भी टूट-कर बिखर जाएंगी!

हा हा हा! और एक बार रेत में बदलकर हवा में बिखरने के बाद तेरी कलाईयां कभी नहीं जुड़ेंगी।
नागराज की सबसे बड़ी शक्ति आज उससे हमेशा के लिए छिनने जा रही थी–
ओफ्फ़! आज के बाद मेरे सर्प मेरे शरीर से कभी बाहर नहीं निकलेंगे!
लेकिन किस्मत भी मदद उसी की करती है जो बहादुरी से मुसीबतों का सामना करते हैं–
नहीं नागराज! जो हाथ पापियों के हाथ तोड़ते हैं वे खुद कभी नहीं टूट सकते!
शीतनाग!
हां, नागराज! अब तुम्हारे हाथ बालू के हो जाने के बाद भी सुरक्षित हैं!
अच्छा हुआ कि मैं नूतन खामेन से लड़ाई के दौरान घायल हो जाने के कारण तुम्हारे शरीर में वापस नहीं गया था!
पर अब मैं फुंकार के अलावा किसी भी सर्प शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकता!
अब तो मैं इस तक पहुंचने के लिए सर्प रस्सी को भी कलाईयों से नहीं निकाल सकता!
सर्पशक्ति अभी भी तुम्हारे अंदर है नागराज! उस का प्रयोग करो नागराज!

मैं 'आइस रोलर कोस्टर' की मदद से तुमको इस उड़ती मौत तक पहुंचा सकता हूं!
नागराज ने अपने शरीर को जरा सा मोड़कर सर्पीली और बर्फीली ढलानों पर गति पकड़नी शुरू कर दी–
और जल्दी ही उसका पहला वार बालूबल के शरीर पर पड़ चुका था–
हा हा हा! जितने वार करने हैं कर ले नागराज!
मेरा शरीर तो बालू है! तेरा हर वार इसमें धंसकर रह जाएगा! मेरा कुछ बिगाड़ नहीं पाएगा!
लेकिन मेरे पास आकर तू अपने सिर खतरे को बढ़ा रहा है! अब मैं तेरे पूरे धड़ को बालू में बदल दूंगा!
सिर्फ तेरे सिर को छोड़ दूंगा, ताकि तू मेरे मालिक को वह बता सके जो उनको तुझसे जानना है!
ओफ्फ! ये सच कह रहा है! मेरे वार इस पर खास असर नहीं डाल पा रहे हैं! लेकिन ये मुझे बालुई मूर्ति में बदल सकता है!

आऽऽऽह! इसकी फुंकार विषैली होने के साथ-साथ बदबूदार सड़ांध से भी भरी हुई है!

ओह! इसकी कलाइयों से ममी नाग निकलकर इसके चारों तरफ घूमते तिलिस्मी शोलों को पकड़-पकड़ दूर फेंक रहे हैं!

मुझे बुलाकर अपनी मौत को क्यों बुला रहा है ममी नागराज! अभी तक कम से कम तू मुर्दे के रूप में ही सही जिन्दा तो है!

तेरे इस घर से बाहर न निकल सकने का इंतजाम तो मैंने कर ही दिया है!

मैं अपने होश कायम नहीं रख पा रही हूं!

अब सामने आ जा बूढ़े! वर्ना मेरा एक ही स्पर्श इस लड़की को ममी बना देगा!

अब तुझे कैद में रखने का इंतजाम बाकी है! और ममियों को एक ही चीज कैद में रख सकती है!

पिरामिड!
जो सदियों से ममियों को अपनी कैद में सुरक्षित रखते आए हैं!
ओऽऽऽह!
वेदाचार्य ने ममी नागराज को आसानी से बेबस कर दिया था-
और नागराज को भी बालूबल को काबू में करने का रास्ता सूझ गया था-
शीतनाग! इसके शरीर को तो हम तोड़ सकते हैं! बस हमको इसके बालुई शरीर को ठोस करना पड़ेगा!
पर कैसे नागराज? चट्टानों को चूर करके बालू में तो बदला जा सकता है! परंतु बालू को फिर से ठोस चट्टान में बदलना असंभव है!
संभव है, शीतनाग कुमार! इसके शरीर को बर्फीले खोल से ढक दो!

शीतनाग, नागराज का इशारा तुरंत समझ गया-
और बर्फ की पर्तें बालूबल के शरीर पर जमने लगीं-
देखते ही देखते बालूबल का रेतीला शरीर कड़ी बर्फ के खोल में ढककर जम चुका था-
और नागराज का एक ही वार उसके टुकड़े-टुकड़े करने के लिए काफी था-
बालू को अपने अंदर कैद किए बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़े चारों तरफ बिखर गए और बालू-बल का अस्तित्त्व मिट गया-
खतरा टल गया है! अब मैं तुम्हारे शरीर में प्रवेश कर सकता हूं नागराज!
क्योंकि इसके खत्म होते ही तुम्हारी कलाईयों पर से इसका असर भी खत्म हो गया है! तुम्हारी रेतीली कलाईयां फिर से सामान्य हो गई हैं!
नहीं शीतनाग कुमार! अभी सिर्फ चौथाई खतरा दूर हुआ है! बाकी का खतरा तो वेदाचार्य के तिलिस्मी घर पर हमारा इंतजार कर रहा है!

वेदाचार्य ने ममी नागराज को रोककर नागराज का काम आसान कर दिया था–
ओह! ये तिलिस्मी पिरामिड सचमुच मेरी कैद बन गया है! मैं इसको तोड़ नहीं पा रहा हूं! इसीलिए अब मुझको नागराज की शक्तियों का प्रयोग करना पड़ेगा!
ममी सर्पों द्वारा जमीन में तेजी से सुरंग खुदवाती होगी!
और ऐसा मैं इसलिए कर पाऊंगा क्योंकि मेरे पैरों के नीचे पिरामिड का कोई हिस्सा नहीं है! सिर्फ मामूली फर्श है!
और उसके बाद में तुमको दस पलों के अंदर ममी बना दूंगा! अगर बचना चाहता है तो क्लियोपैट्रा के महल की तस्वीर के ऊपर से अपना तिलिस्मी बोझ हटा ले!
अब तेरे पास सिर्फ पांच सेकंड और बचे हैं, बूढ़े! जल्दी से फैसला कर ले! ममी बनकर मरेगा या मेरी बात मानकर जिएगा!
मरेगा सिर्फ तू!
अरे! मेरी पट्टी को किसने काट दिया?

मैंने! नागराज ने!
और अब अगर तू मेरे हाथों से बचना चाहता है तो अपने मालिक तूतेन खामेन को यहां पर बुला! मुझे पूरा यकीन है कि उसी ने तुझको यहां पर भेजा है!
तूने एकदम सही समझा है नागराज! लेकिन ये अनुमान तो एक बच्चा भी लगा सकता है!
तुझको तो सिर्फ इस बात का अनुमान लगाना चाहिए कि अब तेरी जिन्दगी कितनी बची है! जल्दी ही मैं तुझको भी ममी बना दूंगा, और एक बार जो ममी बन गया वह तूतेन खामेन का गुलाम बन जाता है!
उसके बाद तू मेरे लिए इस तस्वीर को उठाकर चलेगा! इस तस्वीर पर रखा तिलिस्मी बोझ मुझे तो रोक सकता है पर तुझे नहीं!
क्योंकि यह तिलिस्म मेरे लिए बनाया गया है, तेरे लिए नहीं!

मुझे इसकी पट्टियों से बचना होगा! मैं इनकी करामात देख चुका हूं! इसका स्पर्श मुझे भी ममी में बदलना शुरू कर देगा!
लेकिन पट्टियां चारों तरफ से नागराज की तरफ लपक रही थीं-
बचाव का सबसे अच्छा रास्ता, हमला करना ही था-
बचाव करते रहना नहीं-
आऽऽऽह! इसकी एक पट्टी मुझसे रगड़ खाते हुए निकली और मेरी खाल सिकुड़नी शुरू हो गई! कुछ ऐसा करना पड़ेगा कि इसकी पट्टियों से मेरे शरीर का संपर्क होने ही न पाए!
और यह काम कैसे किया जाएगा इसका तरीका मुझे पता है!
ध्वंसक सर्पों ने फर्श पर चढ़ी 'प्लास्टिक फ्लोरिंग' को पिघलाना शुरू कर दिया-
और अगले ही पल नागराज की किक ममी नागराज को आग के कारण पिघली प्लास्टिक पर लुढ़काती चली गई-
और ममी नागराज की पट्टियों पर प्लास्टिक की पर्त चिपकने लगी-
कुछ ही पलों में प्लास्टिक की पर्त, पट्टियों पर चढ़ चुकी थी

ममी नागराज को संभलने में ज्यादा वक्त नहीं लगा-
पर अब उसकी पट्टियों के वार नागराज पर बेअसर थे-
अब तू किसी को भी ममी नहीं बना सकता! क्योंकि तेरी पट्टियों के ऊपर प्लास्टिक की पर्त चढ़ चुकी है! अब तेरी पट्टियां किसी भी चीज को छू ही नहीं सकती!
और अब मैं तेरी सदियों पुरानी सड़ी-गली हड्डियों को एक ही वार से तोड़ दूंगा!
फिर गलत समझ रहा है तू नागराज! ये हड्डियां तो एकदम नई हैं!
अरे, तेरे ही नगरवासियों के शरीरों को ममी बनाकर मैंने अपना शरीर हासिल किया है! मेरे पास तो अपना शरीर था ही नहीं!
मैं तो पट्टियों का सिर्फ एक खोल था जिसमें तूतेन खामेन ने तेरी नागशक्तियों को भरकर भेज दिया था! इस तस्वीर को लाने के लिए!
बालूबल भी एक ऐसी ही शक्ति था, जिसको तूतेन मालिक ने मेरे साथ मेरी मदद के लिए भेजा था! तूने उसे तो हरा दिया, पर मुझसे तू जीत नहीं पाएगा...
...क्योंकि मेरे पास भी ठीक वही शक्तियां हैं जो तेरे पास हैं!
बस, उनका थोड़ा सा रूप बदला हुआ है!
ओह, अब समझा! तूतेन खामेन ने अपने मास्क से मेरा स्पर्श करके जो मेरी शक्तियां हासिल की थीं, उसको उसने इस रूप में पैदा करके भेजा है! इसका सामना आसान नहीं होगा!

और वहां से दूर- मिस्र के पिरामिडों के नीचे-
ओफ़ ! तुमने तो कहा था कि ममी नागराज के सामने नागराज टिक नहीं पाएगा ! और ममी नागराज जल्दी ही तस्वीर लेकर वापस लौट आएगा ! अब कहां पर है तुम्हारा ममी नागराज ?
उसको तो अब तक लौट आना चाहिए था! किसी गड़बड़ी से बचने के लिए मैंने तो बाल्बूल को भी उसके साथ भेज दिया था !
पता नहीं वह मूर्ख कहां फंस गया ! खैर, मैं अभी उसका पता लगाता हूं !
यह 'बेबिलोनियन दर्पण' हमको वहां का दृश्य दिखाएगा! यह पूरी दुनिया में फैले किसी भी ममी को ढूंढकर उनकी हरकतें दिखा सकता है !
देखो !
देखो ! मेरा ममी नागराज, महल की तस्वीर तक पहुंच गया है ! लेकिन नागराज उसको रोक रहा है !
पर नागराज ज्यादा देर तक ऐसा नहीं कर पाएगा ! ममी नागराज सफल होकर ही लौटेगा !

सभी नागराज के बारे में तूतेन खामेन का ख्याल गलत नहीं था! सभी नागराज हर शक्ति में नागराज के बराबर का था-
नागराज के वार उसको तो दर्द का अहसास नहीं करा सकते थे-
लेकिन उसके वार नागराज को चीखने पर मजबूर कर सकते थे-
आ ऽऽऽह!
इसने नागफनी सर्पों तक की नकल बना ली है!
ऐसे तो यह मेरे टुकड़े-टुकड़े कर देगा, और मैं इसके टुकड़े करके भी इसका कुछ बिगाड़ नहीं पाऊंगा!
इसने मेरी शक्तियों की तो नकल बना ली है! पर मेरे पास कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो मुझको बाहर से मिली हैं! जैसे शीतनागकुमार, नागू या सौडांगी! अभी सौडांगी तो मेरे शरीर में नहीं है पर नागू या शीतनागकुमार इसको आसानी से बेबस कर सकते हैं!
शीतनागकुमार! इस पर शीत किरणों का प्रयोग करो!
अभी लो नागराज!
ओह! ओह! मेरे हुस्न को ठंडा करने से भला क्या फायदा होगा!
हम मुर्दे तो वैसे भी ठंडे ही होते हैं!

पर तुम दोनों के खून में काफी गर्मी लगती है! शायद ये तुम लोगों को ठंडा कर दे!
ओह! इसके... इसके पास तो मेरी भी नकल है! एक ममी शीतनाग!
देखा, ममी नागराज असली नागराज पर हावी हो रहा है! मैंने कहा था न कि नागराज इसको रोक नहीं पाएगा!
मिस्र में-
मेरे पास तेरी और भी ऐसी ही शक्तियां हैं! देख, ये हैं तेरे ध्वंसक सर्पों का प्रतिरूप! इनकी आग तेरी बर्फ को पिघला देगी! बस इनकी आग का असर जरा सा अलग है!
पर ये मूर्ख तो खुद ही रुका हुआ है! जब नागराज इसको रोक नहीं पा रहा है तो ये तस्वीर लेकर वापस आता क्यों नहीं?
हां, ये बात तो है! मैं अभी पता करता हूं! मैं अभी दर्पण के द्वारा इससे संपर्क करता हूं! तब सच्चाई पता चल जाएगी!
और फिर-
ममी नागराज! तू लड़ाई में समय क्यों खराब कर रहा है! तस्वीर लेकर वापस क्यों नहीं आता?
ओह! अजीब सी आग है ये! ठंडी आग! और इसकी ठंडक मेरे शरीर में जलन पैदा कर रही है!
पर इसकी शक्तियां अद्भुत हैं! इसने विशेष नागफनी सर्पों तक की नकल बना ली है जो मुझे देव-कालजयी से वरदान में मिले थे!
तूतेन खामेन! यानी... ये दर्पण के जरिए हमको देख सकता है!

तस्वीर इस बूढ़े अंधे के पास थी मालिक और इसने इस पर एक ऐसा तिलिस्मी बोझ रख दिया है जिसके कारण मैं तस्वीर को उठा नहीं पा रहा हूं! लेकिन आप चिन्ता न करें! मैं इस नागराज को अपने जैसी ममी बनाकर इसी से इस तस्वीर को उठवाऊंगा!
तेरे सपने पूरे कभी नहीं होंगे, तूतेन खामेन! ये तस्वीर तेरे हाथ कभी नहीं लगेगी! कभी नहीं!
तस्वीर तो ममी नागराज लेकर ही आएगा, और साथ में लेकर आएगा तेरी जान! इस बूढ़े ने ही तिलिस्म रचा है न! अब ये ही अपने तिलिस्म को तोड़ेगा! क्योंकि अब ये आधी ममी बनकर मेरा हुक्म मानने के लिए मजबूर हो गया है! ओ बूढ़े, उठा तस्वीर पर से अपना तिलिस्मी बोझ!

अगले ही पल- वेदाचार्य ने महल की तस्वीर पर रखा हुआ तिलिस्मी शक्ति का बोझ हटा लिया-
ओफ़! ये क्या हो रहा है! तूतेन खामेन का पल्लड़ा भारी होता जा रहा है! अब वेदाचार्य भी मेरे खिलाफ हो गए हैं!
अब वेदाचार्य की तिलिस्मी शक्ति से तुझको निपटना पड़ेगा नागराज, और मैं तस्वीर लेकर आराम से खिसक जाऊंगा!
वेदाचार्य! नागराज को किसी घातक सर्परोधी तिलिस्म में कैद कर दो!
वेदाचार्य ने तुरन्त आदेश का पालन किया-
ओफ़! ये सर्परोधी तिलिस्म मेरे विष को तेजी से नष्ट कर रहा है!
हा हा हा! तू इससे बचने का रास्ता सोच सकता है तो सोच नागराज! मैं तो तस्वीर लेकर चला!
तूतेन मालिक! मुझको वापस बुला ले!
जल्दी चलकर आ, और इस दर्पण में प्रवेश कर जा! तू सीधा मेरे पास मिस्र में पहुंच जाएगा!
अब सभी नागराज को रोकने वाला कोई नहीं था-
और तस्वीर करणवशी के खतरनाक हाथों में पहुंचने ही वाली थी-
आ जा! आ जा! दे दे! दे दे ये तस्वीर मुझको! ही ही ही!

Amaan
तस्वीर अब तूतेन खामेन के हाथों से कुछ ही इंच दूर थी-
लेकिन तस्वीर वह मामूली सी दूरी तय नहीं कर पाई-
अरे! ममी नागराज वापस दर्पण में खिंचकर उस पार चला गया! नागराज तो बेबस है!
फिर यह काम किसने किया है?
यही सवाल ममी नागराज भी पूछ रहा था-
किसने खींचा मुझको दर्पण से बाहर? किसने आवाज दी है अपनी मौत को!
तेरी मौत ने तुझको खींचा है ममी नागराज! बिना मरे तू उस पार भला कैसे जा सकता है?
नागराज! तू सर्परोधी तिलिस्म की कैद से आजाद कैसे हो गया?
मैंने आजाद किया है नागराज को! नागराज की कामयाबी के लिए मुझे चाहे अपने ही दादाजी से तिलिस्मी लड़ाई लड़नी पड़े तो भी मैं वह लड़ाई लड़ूंगी! और तब तक लड़ती रहूंगी जब तक तुम जैसे शैतान खाक में नहीं मिल जाते।

भारती, नागराज की मदद के लिए अपनी जान पर खेल रही थी-

माफ करना दादाजी! मैं आपकी ही सिखाई विद्या का वार आप पर ही कर रही हूं! लेकिन मैं फर्ज के हाथों मजबूर हूं! पर मैं यह भी जानती हूं कि आपके सामने मैं ज्यादा देर तक टिक नहीं पाऊंगी!

ताकि नागराज, ममी नागराज को नष्ट करके दुनिया पर मंडराते खतरे को टाल सके-

तूने अपनी मौत को वापस क्यों बुला लिया, नागराज? तू जानता है कि शक्तियों के मामले में तू मुझसे नहीं जीत सकता!

जब तक तेरी शक्तियां हैं तब तक तो जीतना शायद मुश्किल हो, ममी! पर वेदाचार्य को सर्परोधी तिलिस्म रचने का आदेश देकर तूने मुझको वह रास्ता दिखा दिया है जो तुझको खत्म कर देगा!

और तब तू मुझसे बच नहीं पाएगा!
ओफ़! नागराज ने इसका जूता इसी के सिर पर दे मारा! अब मुझको ही कुछ करना होगा!
सर्परवोर शुरू कर दे अपना भोजन!
नागराज का हर बार ममी नागराज के अंगों को तोड़-तोड़कर ममी नागराज को मौत के करीब लिए जा रहा था-
शाबाश नागराज! जल्दी खत्म करो इस शैतान को!
यह जैसे-जैसे नष्ट हो रहा है वैसे-वैसे दादा जी का शरीर अपने पुराने रूप में वापस आता जा रहा है!
तभी-
रुक जा, नागराज!
करणवशी! तू... तू वहां पर क्या कर रहा है?
ये सब योजना मेरी ही रची हुई है! तूतेन खामेन अब मेरे सम्मोहन का गुलाम है!
तस्वीर उसको नहीं मुझे चाहिए! और अगर मुझको वह तस्वीर नहीं मिली तो सौडांगी और उसके कबीले वाले नागों की हत्या की जिम्मेदारी तेरे सिर पर होगी! देख, मेरा गुलाम सर्परवोर नागों को कैसे चबा-चबाकर खा रहा है!
हे भगवान! ये कैसी दुविधा में फंस गया हूं मैं!
अब तो करणवशी की बात मुझको माननी ही पड़ेगी!

भारती! अपना सर्परोधी तिलिस्म हटा लो! आजाद कर दो ममी नागराज को!
ये... ये तुम क्या कह रहे हो नागराज?
जो कह रहा हूं वह करो भारती! मेरे पास ज्यादा वक्त नहीं है!

और फिर-
ये ले तस्वीर ममी नागराज! और दफा हो जा यहां से! और तुम भी रक्षक नागों के संहार को रोक दो, करणवशी!
अभी लो नागराज! ए सर्पखोर, बस कर! वर्ना तेरा पेट खराब हो जाएगा!

लेकिन वह मेरी पट्टी की सिर्फ एक सतह पर ही है! मेरी पट्टियों की नीचे की पर्त अभी भी साफ है! और इसका स्पर्श तुझको ममी बनाने के लिए पर्याप्त है!

इतनी जल्दी नहीं, ममी नागराज! नागराज इतनी जल्दी हार मानने वालों में से नहीं है!

फ़ूऊ ऊ ऊ

ओ ओ! तू मुझ पर तीव्र विष फुंकार का बादल छोड़ रहा है!...

...इसका तो जवाब तुझको देना ही होगा! झेल मेरी विष फुंकार का बादल!

फुंकारों के घने बादलों ने नागराज और ममी नागराज को पूरी तरह से घेर लिया—

तूतेन खामेन का ख्याल एकदम सही था-
नागराज ने बचने की आखिरी कोशिश तो की-

लेकिन वह पट्टियों के स्पर्श से बच नहीं पाया-

हा हा हा ! नागराज, ममी बन गया है ! मेरा गुलाम बन गया है !
अब मैं जब चाहूं इसको अपना आदेश देकर अपने पास बुला सकता हूं !

अब तू तस्वीर को लेकर वापस आ जा, ममी नागराज !
वापस आने में मेरी मदद करिए मालिक। नागराज की फुंकार से मेरा सिर चकरा रहा है ! मैं अपने आप नहीं आ सकता !

कुछ ही पलों के बाद मनी नागराज, क्लियोपैट्रा के महल की तस्वीर के साथ मिस्र की धरती के नीचे खड़ा था-

हा हा हा! ला, ला दे मुझको ये तस्वीर! अब मैं इस दुनिया पर राज करूंगा! सम्राट बनूंगा इस दुनिया का!

सपने मत देख, करणवशी! इस तस्वीर को मैं लाया हूं! मैंने खतरा मोल लिया है इसके लिए!

फिर मैं तुझे सम्राट क्यों बनने दूं! सम्राट बनूंगा तो सिर्फ मैं! मनी नागराज!

ये क्या बकवास कर रहा है! इसको खत्म कर दो तूतेन खामेन!

अभी लें करणवशी! मैंने इसको नागराज की जो शक्तियां देकर मनी नागराज बनाया था, वह शक्तियां मैं अभी वापस खींच लेता हूं! फिर ये दुबारा पट्टियों का खोल बनकर रह जाएगा!

अब मेरी शक्तियां तू नहीं खींच पाएगा तूतेन! अब मेरे पास नागराज की नकली शक्तियों के साथ-साथ असली शक्तियां भी हैं!

और इन दोनों शक्तियों के रहते तेरी शक्तियां मुझसे जीत नहीं सकतीं!

फूऊऊ ऊऊऊ
अब तू नहीं बल्कि मैं तेरी शक्तियां छीनूंगा! पर पहले तुझे इस बात का अहसास दिलाऊंगा कि अब मालिक कौन है और नौकर कौन?
संभाल नागराज की दुगुनी विषफुंकार को! ये तुझे पलभर में तेरे घुटनों पर ला पटकेगी!
अब बोल! कौन है तेरा मालिक? और किसका नौकर है तू?
करणवशी! करणवशी का गुलाम हूं मैं!
अभी तेरी अक्ल ठिकाने नहीं आई है! वैसे भी तेरी शक्तियों को खींचकर तुझे निस्तेज करना जरूरी है!
वर्ना क्या पता कि तू फिरसे मुझे अपना गुलाम बना ले!
तू मेरी शक्तियां खींचेगा? कैसे?
पलभर में सिर चकरा गया! रोक इस फुंकार को! वर्ना ये मेरी जान ले लेगी!
आऽऽऽह!
नागराज के सांप नागू की मदद से! नागू अपनी मणि शक्ति से तेरी शक्तियों को खींच लेगा!
आऽऽऽह!
ये... ये क्या अनर्थ हो रहा है! मेरा सबसे शक्तिशाली गुलाम शक्तिहीन हो रहा है! ऐसा नहीं होना चाहिए! सर्पखोर! रोक इस सांप को!
और फिर खत्म कर दे सर्पशक्तियों से युक्त मनी नागराज को!

मजा आ गया! दो घंटे से किसी सांप को नहीं खाया! इस मणि वाले सांप को खाकर तो मजा आ जाएगा!
मुझे खाना या पचाना आसान नहीं है सर्पखोर! क्योंकि मेरी मणि शक्ति तेरे पेट में जाकर तेरी अंतड़ियों को बाहर खींच सकती है!
और मैं तेरी मणि की किरणों को पकड़कर तुझको अपने मुंह में खींच सकता हूं, मणिधारी सर्प! तू शायद जानता नहीं है कि सर्प-खोर पर किसी भी सांप की कोई भी शक्ति बेअसर है!
हां! और तू तो मेरा हाथ तक नहीं निगल पा रहा है!
वैसे तूने अपनी शक्ति बताकर मेरा काम आसान कर दिया है!
अब मैं तुझको मारने के लिए किसी भी सर्प शक्ति का प्रयोग नहीं करूंगा! मैं तुझको खुद मारूंगा भी नहीं!
तुमको सर्पशक्ति नहीं मार सकती, लेकिन मेरे पास फिलहाल एक ऐसी शक्ति है जिसका मुकाबला तू नहीं कर सकता!
खींच! खींच! पर पहले अपना मुंह तो बड़ा कर ले! ताकि मुझको खा सके!
तू... तू मणि शक्ति से अपने शरीर को फुला रहा है!
किस शक्ति की बात कर रहा है तू सर्प?

नूतन स्वामेन की शक्तियों की सर्पखोर! वे शक्तियां, जो अब मेरी मणि के नियंत्रण में हैं!
आऽऽऽह! नूतन की शक्ति का प्रतिरूप मेरे शरीर में घुस रहा है!
और... और ये मेरे शरीर को अंदर से नियंत्रित कर रहा है! मैं अपने आपको ही पीटने पर विवश हूं। आऽऽऽह!
तुम्हारे सारे साथी बेबस हो चुके हैं करणवशी! अब तुम भी दुनिया का सम्राट बनने का सपना देखना छोड़ दो और मुझको यह बताओ कि तुम्हारी आंखों में जो एक विशेष सूक्ष्मसर्प बैठा था जो तुम्हारी सम्मोहन शक्तियों को निकलने से पहले ही नष्ट करता रहता था, वह आखिर गया कहां?
ये शक्ति भी मुझको फिलहाल नहीं मार सकती। क्योंकि अभी इसको मेरी सर्पमणि नियंत्रित कर रही है!
पर तू अपने आप को पीट-पीटकर बेहोश तो कर ही सकता है!
उसको सर्पखोर ने खा लिया!
पर ये बात तुमको कैसे पता, स्त्री नागराज? तूने तो सिर्फ नागराज की शक्तियां खींची हैं, उसकी याददाश्त नहीं!

वह इसलिए, क्योंकि मैं ममी नागराज नहीं, नागराज हूं!
ममी नागराज तो इस वक्त वेदाचार्य के तिलिस्मी जाल में फंसकर अपने अंत का इंतजार कर रहा होगा!
ना... नागराज! त... तुम नागराज कैसे हो सकते हो! ममी नागराज ने तो तुमको छूकर ममी बना दिया था! पूरी लड़ाई तो मेरी आंखों के सामने ही हुई थी!
पूरी लड़ाई नहीं करणवशी! थोड़ी सी लड़ाई विष-फुंकारों के बादलों के बीच में भी हुई थी!
जिसको तुम नहीं देख पाए थे! विष फुंकार छोड़ने से ठीक पहले मैंने मेज की दराज में रखे उस विषनाशक दवाई से भरे इंजेक्शन को निकाल लिया था, जो मेरे ही विष से बना हुआ था! ऐसे कुछ इंजेक्शन मैं हमेशा अपने आने जाने की जगहों पर रखता हूं! ताकि अगर मेरे दोस्तों को गलती से मेरे विष से खतरा हो जाए तो विषनाशक द्वारा उस खतरे को तुरन्त दूर किया जा सके!
मैंने विषैला बादल छोड़ते ही उस इंजेक्शन को ममी नागराज के शरीर में धंसा दिया था! और उसकी पट्टियां अपने शरीर तक पहुंचने से पहले ही मैं इच्छाधारी कणों में बदल गया था उसकी पट्टियां मुझको तो नहीं छू पाईं लेकिन विषनाशक इंजेक्शन ने ममी नागराज की नाग शक्तियों को नष्ट कर दिया!
ममी नागराज के गिरते ही मैंने सावधानीपूर्वक उसकी पट्टियों को उतारकर उस तरफ से अपने शरीर पर लपेट लिया, जिस तरफ प्लास्टिक की पर्त चढ़ी हुई थी!
बस फिर क्या था! रोल बदल गए थे! जिसको तुम ममी बन गया नागराज समझ रहे थे वह वास्तव में बिना पट्टियों के ममी नागराज था! और जिसको तुम सब ममी नागराज समझ रहे थे!
वह मैं था!
तुम तक पहुंचने का सबसे अच्छा रास्ता यही था कि मैं तुम्हारा ही साथी बनकर तुम्हारे पास पहुंचूं!
तुम्हारे इस जुर्म की सजा शायद कानून तुमको न दे पाए, पर रक्षक सर्पों का कबीला जरूर देगा! तुम इनके ही मुजरिम हो!

लेकिन तुमको इनके हवाले करने से पहले मैं तुम्हारे सम्मोहन को नष्ट करने का इंतजाम एक बार फिर कर देता हूं! एक और सम्मोहन नाशक सूक्ष्म सर्प को तुम्हारी आंखों में बैठाकर!
सौडांगी!
नागराज ने सूक्ष्म सर्प को छोड़ने के लिए हाथ उठाया-
पर सांप को छोड़ नहीं सका-
सौडांगी द्वारा अचानक किए गए उस तांत्रिक वार ने नागराज को संभलने का मौका नहीं दिया-
और नागराज का शरीर उस दर्पण को तोड़ता हुआ-

वेदाचार्य और भारती के पास आ गिरा-

ओह! नागराज को दर्पण के रास्ते वापस भेज दिया गया है! और अब दर्पण भी टूट चुका है! नागराज वापस भी नहीं जा सकता! और नागराज के साथ साथ नागू भी खिंचता चला आया है! शायद इसलिए क्योंकि अब ये भी नागराज के शरीर का ही एक अंग बन चुका है!

चिन्ता की कोई बात नहीं है भारती! ममी नागराज को परास्त करके नागराज ने मुझको ममी स्वरूप से छुटकारा दिला दिया है! मैं इसकी मदद करूंगा!

लेकिन वेदाचार्य की मदद के बावजूद नागराज को संभलने और मिस्र तक पहुंचने में काफी वक्त लगना था-

पर... पर ये क्या? ये... ये तो महल का सिर्फ सामने वाला भाग है! ये तो फिल्मों में इस्तेमाल होने वाले सेट जैसा लग रहा है! ऐसा कैसे हो गया?
तूने मुझसे जरूर कोई चाल चली है सौडांगी!
नहीं, मेरे मालिक!
आपके पास सिर्फ महल के अगले हिस्से की तस्वीर है! ऐसी एक महल के पिछले हिस्से की तस्वीर भी है! उसको मिलाकर ही ये महल पूरा बनेगा!

दूसरी तस्वीर! यानी ऐसी दो तस्वीरें हैं! कहां पर है दूसरी तस्वीर?
दूसरी तस्वीर राजनगर में है! सुपर कमांडो ध्रुव के पास!
सुपर कमांडो ध्रुव! उससे तो तस्वीर लाना बहुत आसान काम होगा! क्योंकि जहां तक मैं जानता हूं, उसके पास कोई सुपर पॉवर नहीं है!
उस लड़के को कम करके आंकना बहुत बड़ी भूल होगी करणवशी! जब मैं नागराज से लड़ रहा था तो उसने मेरी पूरी ममी सेना को अकेले संभाला हुआ था!
और सच पूछो तो अगर उसका दिमाग न चलता तो मैं नागराज से जीत गया होता!
लेकिन उससे तस्वीर जल्दी लाना बहुत जरूरी है! नागराज यहां पर वापस जरूर आएगा! उसके यहां पर पहुंचने से पहले महल पूरा हो जाना चाहिए!
मेरे पास ऐसी एक शक्ति है जो यह काम कर लेगी! पर उसके साथ मुझे सर्पखोर की मदद भी चाहिए!
चलो! इस बार सांपों को नहीं, थोड़े से इंसानों को ही खा लूंगा!
ठीक है! पहले तुम लोग कोशिश कर लो! अगर तुम लोगों से बात नहीं बनी तो करणवशी खुद जाएगा!
क्योंकि करणवशी को बनना ही बनना है इस दुनिया का सम्राट!
क्रमशः
अब दुनिया का भविष्य ध्रुव के हाथ में है।
अगर ध्रुव हार गया तो नागराज एवं ध्रुव एक तरफ होंगे और पूरी दुनिया दूसरी तरफ! और उस वहशी दुनिया का नेतृत्व करेंगे करणवशी और...
सौडांगी
क्या ध्रुव इन भीषण शक्तियों का सामना करके दुनिया की रक्षा कर पाएगा?
राज कॉमिक्स का यह सुपर विशेषांक आपके सवालों के जवाब लेकर शीघ्र आपके पास आ रहा है।